समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 80

हिंदी
(HINDI)
(Second Language)
आई.सी.एस.ई.
प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र

स्वत: मूल्यांकन प्रश्न–पत्र 1

हल सहित

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.
This paper comprises **two** Sections – **Section A** and **Section B.**
Attempt all the questions from **Section A**.
Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least One Question each from the **two** books you have studied and any **two** Other Questions.
The Intended Marks for questions are given in brackets [ ].

OSWAAL BOOKS
LEARNING MADE SIMPLE

Section A

40 marks

Attempt **all** questions.

1. Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए– **[15]**

(i) पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से फैशन एवं प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिसके कारण अनेक प्रकार की समस्याओं का जन्म हो रहा है तथा नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। अपने विचार द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(ii) ज्ञान प्राप्त करने के बहुत से साधन हैं। यात्रा पर जाना भी किसी पाठशाला में जाकर शिक्षा प्राप्त करने से कम नहीं है। ऐसी ही किसी यात्रा का वर्णन कीजिए। बताइए कि उस यात्रा से आपने क्या–क्या सीखा।

(iii) विज्ञापन की दुनिया हमारे जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है? कुछ उदाहरण देते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो–
"खोदा पहाड़, निकली चुहिया"।

To know about more useful books for class-10 click here

(v) प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा और स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

2. Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words an any **one** of the topics given below:
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **[7]**

(i) छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।

(ii) आपकी कक्षा की अनुशासनहीनता तथा अभद्र व्यवहार के कारण आपके कक्षा अध्यापक आपकी कक्षा से बहुत नाराज हैं। आप सारी कक्षा की ओर से किए गए दुर्व्यवहार की क्षमा माँगते हुए एक पत्र लिखिए।

3. Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। **[10]**

बादशाह अकबर एक दिन शिकार खेलते हुए जंगल में भटक गए। शाम हो रही थी, अतः वह घोड़े को एक पेड़ से बांधकर नमाज पढ़ने बैठ गए। बादशाह अकबर ने नमाज पढ़ना आरम्भ ही किया था कि एक औरत उनसे टकराती हुई, उनके पास से निकल गई। बादशाह का ध्यान भंग हो गया। आँख खोलकर देखा, एक बहदहवास औरत तेजी से भागी चली जा रही थी। उसका धक्का खाकर बादशाह अकबर को बहुत बुरा लगा। उन्होंने जल्दी–जल्दी नमाज पढ़ी और फिर घोड़े पर सवार होकर उस औरत के पीछे भागे।

भागती हुई औरत को उन्होंने शीघ्र ही पकड़ा और पूछा, "क्यों री बदतमीज तूने मुझे धक्का क्यों दिया?"

वह औरत बादशाह अकबर की बात सुनकर हैरान हुई। उसने पूछा, "कौन हैं आप? कैसा धक्का? कब लगा? कहाँ थे आप?"

यह बात सुनकर बादशाह अकबर उत्तेजित हो गये। उस औरत की यह गुस्ताखी उन्हें अच्छी नहीं लगी। उन्हें अपने सम्राट होने का अहसास था, इसलिए आँखें लाल करके बोले–"अरी गुस्ताख! मैं नमाज पढ़ रहा था, तू पास से भागती हुई और धक्का देकर निकल गई। तूने मेरी नमाज में खलल डाल दिया।"

औरत ने घबराये बिना सहज स्वभाव से कहा, "इस बारे में मुझे कुछ नहीं मालूम। मैंने आपको नहीं देखा। हो सकता है, भागते हुए ध ाक्का आपको लग गया हो, मगर आपका धक्का तो मुझे नहीं लगा। धक्के का लगना और उसका अनुभव दोनों ओर से होता है, एक तरफ से तो नहीं होता। आपको मेरा धक्का लगा, मगर मुझे तो कुछ भी पता नहीं।"

बादशाह अकबर और भी अधिक क्रोधित होकर बोले, "तो क्या मैं झूठ बोल रहा हूँ? नमाज पढ़ते हुए धक्का दे गई और अब ऊपर से बदजबानी और मुँहजोरी करती है।"

वह औरत हंसते हुए बोली, "मुझे क्या पड़ी है, आपको धक्का देने की! मैं तो प्रिय पुत्र से मिलने जा रही हूँ, जो समुद्रीयात्रा से लौटा है। पुत्र से मिलने के विचार से, पुत्र–प्रेम में अपनना आपा खोकर हो सकता है मैं आपसे टकरा गई होऊँगी, मगर ताज्जुब तो इस बात का है कि आप दुनिया के मालिक, सबसे बड़े प्रेमी के ध्यान में, उनके प्रेम में कैसे कच्चे ढंग से बैठे थे कि आपको मेरे धक्के का पता लगा गया, जबकि मैं अपने प्रिय पुत्र के ध्यान में, उसके प्रेम में किसी भी धक्के को न जान सकी।"

To know about more useful books for class-10 click here

वह प्रेम ही क्या जो संसार की अनेकरूपता को मिटकार प्रेम–पात्र के प्रति समानता न स्थापित कर सके। लम्बे समय के बाद पुत्र से मिलने की प्रेम–भावना ने माँ के सामने पुत्र के अतिरिक्त सब कुछ ओझल कर दिया था। उस समय वह बड़े–छोटे, बादशाह या प्रजा सभी भेदों को मिटा चुकी थी।

अकबर के लिए यह आँख खोलने वाली घटना थी। वह अल्लाह की इबादत करते हुए भी, उसके प्रति प्रेम–भाव प्रकट करते हुए भी एकाग्र न हो सका था।

वास्तव में सब कुछ छोड़कर केवल ईश्वर को पाने की इच्छा जगाना ही, उसके प्रति सच्ची भक्ति, सच्चा प्रेम होता है। अपने अहम् से मुक्ति पाये बिना व्यक्ति परमात्मा से एकरूपता स्थापित नहीं कर सकता, परमात्मा को नहीं पा सकता। जिस व्यक्ति के हृदय में प्रेम–भाव उत्पन्न नहीं होता, वह जीवित होते हुए भी मृत के समान है। प्रेम परायों को भी अपना बनाता है, जबकि घृणा और अभिमान मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है।

(i) बादशाह अकबर कहाँ नमाज पढ़ रहे थे और क्यों ? **[2]**

(ii) औरत तेजी से क्यों भागी जा रही थी? उसका धक्का लगने पर बादशाह अकबर को कैसा अनुभव हुआ? **[2]**

(iii) औरत की किस बात को सुनकर बादशह अकबर उत्तेजित हुए और क्यों? **[2]**

(iv) बताइए कि बादशाह अकबर ने धक्के को क्यों महसूस किया तथा औरत ने धक्के को क्यों महसूस नहीं किया? **[2]**

(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? **[2]**

4. Answer the following according to the instructions given.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **[8]**

(i) निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम लिखिए। **[1]**

बूढ़ा, साधारण, मूक, समझदार

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। **[1]**

बाधा, पीड़ा

(iii) उसका कार्य प्रशंसा के योग्य था। **[1]**

(रेखांकित शब्द के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

(iv) वाक्य में लिंग परिवर्तित करके पुनः लिखिए। **[1]**

विद्वान पुरुष सम्राट के साथ रहता है।

(v) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध कीजिए। **[1]**

हिन्दु, सहद, महिना

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए–

(क) बीमार व्यक्ति से नहाया नहीं गया। **[1]**

(कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) मुसाफिर धर्मशाला में विश्राम करते हैं। **[1]**

(भूतकाल में बदलकर वाक्य पुनः लिखिए)

(ग) किसी एक मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए– **[1]**

सिर नीचा होना, कान खड़े होना।

Section B

40 marks

(Attempt four questions from this section. You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.)

साहित्य सागर–संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar - Short Stories)

5. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

"पत्नी की मृत्यु के बाद विश्वेश्वर अन्यमनस्क रहा करते थे।

"अच्छा मँगा दूँगा" कहकर वे उदास भाव से कहीं और चले गए।" **[काकी–सियारामशरण गुप्त]**

(i) श्यामू ने किससे क्या मँगाने को कहा और क्यों? **[2]**

(ii) विश्वेश्वर ने श्यामू की इच्छा क्यों पूरी नहीं की? **[2]**

To know about more useful books for class-10 click here

(iii) श्यामू ने इच्छा पूर्ति हेतु क्या किया? **[3]**

(iv) श्यामू ने भोला को चवन्नी क्यों दी? **[3]**

6. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

"क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर–गृहस्थी, जवानी–जिन्दगी सब कुछ होम कर देने वालों पर भी हँसती है, और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है। दु:खी हो गए।" **[नेताजी का चश्मा–स्वयं प्रकाश]**

(i) यह किसने सोचा और कब सोचा? उनकी मनोस्थिति कैसी थी? **[2]**

(ii) सब कुछ होम कर देने वालों से लेखक का क्या आशय है? **[2]**

(iii) "बिकने के मौके ढूँढने' से क्या आशय है? **[3]**

(iv) आप अपनी देशभक्ति कैसे प्रकट कर सकते हैं? **[3]**

7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

आनन्दी की त्योरी चढ़ गई। झुँझलाहट के मारे बदन में ज्वाला सी दहक उठी। बोली, "जिसने तुमसे यह आग लगाई है, उसे पाऊँ तो मुँह झुलस दूँ।" **[बड़े घर की बेटी–मुंशी प्रेमचन्द]**

(i) आनंदी की त्योरी क्यों चढ़ गयी? **[2]**

(ii) 'जिसने तुमसे यह आग लगाई है' किसने और क्या आग लगाई थी? **[2]**

(iii) श्रीकंठ की आँखें लाल क्यों हो गयीं? **[3]**

(iv) सुबह होते ही श्रीकंठ ने बेनीमाधव से क्या कहा? **[3]**

साहित्य सागर–पद्य भाग
(Sahitya Sagar - Poem)

8. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

"जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी यहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया"? **[वह जन्मभूमि मेरी–सोहनलाल द्विवेदी]**

(i) रघुपति कौन थे? उनकी महिमा का वर्णन कीजिए। **[2]**

(ii) श्रीकृष्ण को कवि ने क्यों याद किया है? **[2]**

(iii) 'जग को दया दिखाई जग को दिया दिखाया' से कवि का क्या आशय है? **[3]**

(iv) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने किन महापुरुषों का वर्णन किया है, और क्यों। **[3]**

9. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

"वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक।" **[भिक्षुक–सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला']**

(i) "वह आता' में कवि ने "वह' किसके लिए प्रयुक्त किया है तथा वह पछता क्यों रहा है? **[2]**

(ii) कवि ने भिक्षुक की दुर्बलता का वर्णन किस प्रकार किया है? **[2]**

(iii) वह लोगों से क्या प्रार्थना कर रहा था? और क्यों? **[3]**

(iv) 'मुँह फटी–पुरानी झोली का फैलाता' से कवि का क्या आशय है?

10. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

जो सम्पत्ति दस सीस अख करि रावण सिव पहँ लीन्ही।
सो सम्पदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्हीं।। **[विनय के पद–तुलसीदास]**

To know about more useful books for class-10 click here

(i) रावण ने कौन सी सम्पत्ति, किससे, किस प्रकार प्राप्त की? **[2]**

(ii) विभीषण ने प्रभु राम की कृपा पाने के लिए क्या–क्या किया? **[2]**

(iii) कवि के अनुसार श्री राम का भजन क्यों आवश्यक है? **[3]**

(iv) उपरोक्त पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है? **[3]**

नया रास्ता–सुषमा अग्रवाल
(Naya Raasta - Sushma Agarwal)

11. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

लड़की के हृदय में एक अंतर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेंगी कि नहीं। मीनू इस परीक्षा में कई बार असफल हो चुकी थी इसलिए उसके हृदय का अंतर्द्वन्द्व और अधिक तीव्र हो गया।

(i) मीनू को कौन देखने आ रहा था और क्यों? **[2]**

(ii) मीनू किस परीक्षा में असफल हो चुकी थी? उसकी असफलता का क्या कारण था? **[2]**

(iii) ''लड़की के हृदय में एक अंतर्द्वन्द्व होता है।'' – का आशय स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(iv) मीनू की चरित्रिक विशेषताएँ बताइए। **[3]**

12. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"जब सब लड़कियों ने उसे घेर लिया तो वह कत्थक नृत्य करने के लिए मना न कर सकी। यद्यपि वह इन सब बातों में विशेष रुचि नहीं रखती थीं। इस समय उसके सामने एक ध्येय था वह मंजिल थी, जिस पर पहुँचने के लिए उसे विशेष परिश्रम की आवश्यकता थी।

(i) लड़कियाँ मीनू से कत्थक नृत्य कहाँ और क्यों करवाना चाहती थीं? **[2]**

(ii) मीनू को अब नृत्य करने में रुचि क्यों नहीं थी? **[2]**

(iii) मीनू के सामने कौन सा लक्ष्य था और क्यों? **[3]**

(iv) मीनू ने कत्थक नृत्य कहाँ सीखा और पहले दिन क्या हुआ? **[3]**

13. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow.

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"आजकल उसके कॉलेज में खेलकूद प्रतियोगिताएँ चल रही थीं। मीनू ने उन प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लिया था और कॉलेज में पढ़ाई भी नहीं चल रही थी। उसने सोचा कि आज नीलिमा के घर जाकर मिल आऊँ।"

(i) मीनू के कॉलेज न जाने का क्या कारण था? **[2]**

(ii) मीनू ने प्रतियोगिता में भाग क्यों नहीं लिया? **[2]**

(iii) मीनू ने नीलिमा के घर जाने की बात क्यों सोची? **[3]**

(iv) मीनू ने नीलिमा के घर पहुँचकर क्या देखा? **[3]**

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"व्यर्थ है दुर्योधन! तेरी यह सारी कूटनीति व्यर्थ है। अपने प्राणी के परिणाम से अब तू किसी भी प्रकार नहीं बच सकता। बाहर निकलकर युद्ध कर बस यही एक मार्ग है।" **[महाभारत की एक साँझ–भारत भूषण अग्रवाल]**

(i) दुर्योधन ने क्या कूटनीतिक चाल चली? **[2]**

(ii) दुर्योधन से किसने, कहाँ से बाहर आने को कहा? **[2]**

(iii) वक्ता ने युद्ध को अंतिम मार्ग क्यों बताया? **[3]**

(iv) वक्ता की बातों का श्रोता पर क्या प्रभाव पड़ा? **[3]**

15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"घबराओ मत! मैं जल्दी ही फिर आऊँगा और उस बार विदा अवश्य होगी, क्योंकि मैं चोट का मरहम लेकर आऊँगा।"

[बहू की विदा–विनोद रस्तोगी]

(i) कौन घबरा गया था और क्यों? **[2]**

(ii) प्रमोद ने उसे धीरज बँधाते हुए क्या कहा? **[2]**

(iii) 'चोट के मरहम' से प्रमोद का तात्पर्य क्या है? **[3]**

(iv) प्रमोद ने मरहम के इंतजाम के लिए क्या निश्चय किया? **[3]**

To know about more useful books for class-10 click here

16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"कुछ घंटे ऐसा ही खेल होगा और फिर यह मिट्टी का दुर्ग मिट्टी में मिला दिया जाएगा। अच्छा अब हम चलें।"

[मातृभूमि का मान–हरिकृष्ण प्रेमी]

(i) कौन–सा खेल होने वाला था? और क्यों? **[2]**

(ii) खेल को वास्तविक बनाने के लिए किसने क्या किया? **[2]**

(iii) इस खेल के कौन विरुद्ध था और क्यों? **[3]**

(iv) उसने खेल का विरोध करने के लिए क्या किया? **[3]**

❑❑❑

OSWAAL BOOKS
LEARNING MADE SIMPLE